राजस्थान पत्रिका
उदयपुर . बुधवार
20.03.2013
उदयपुर

# जलग्रहण विकास कार्यक्रम शुरू

**लसाड़िया.** लसाड़िया उपखण्ड के आंजनी गांव में एफ्रो स्वयंसेवी संस्था के तत्वावधान में जलग्रहण विकास व लघु कृषि मौसम वैधशाला की शुरुआत हुई। द फेडरल रिपब्लिक जर्मनी के सहयोग से इसकी गांव में स्थापना की गई। इस अवसर पर संस्था प्रबंधक पीके दत्तर ने इस अवसर पर आयोजित सभा में कहा कि गांव में प्रारंभिक चरण में चरागाह विकास के तहत नाड़ी निर्माण, कंटूर ट्रेंच आदि कार्य किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नाबार्ड जयपुर से आए आरआर सिंहा ने जलग्रहण विकास के शुभारंभ की औपचारिक घोषणा की। नाबार्ड उदयपुर के प्रबंधक एस साहू, सोम्या माथुर ने चरागाह विकास, जलवायु परिवर्तन पर वार्ता दी।

राजस्थान पत्रिका
उदयपुर . बुधवार
20.03.2013
उदयपुर

# किसान करेंगे भविष्यवाणी

## ■ बम्बोरा के निकट मालों का गुड़ा में एग्रोमेन्ट क्लब का उद्घाटन

**गींगला पंस.** उदयपुर जिले के बम्बोरा के निकट भीण्डर पंचायत समिति सिंहाड़ पंचायत के रावतपुरा जलग्रहण क्षेत्र के ग्राम मालों का गुड़ा में नाबार्ड के आर्थिक सहयोग से प्रयत्न समिति गुड़ली-बम्बोरा के सहयोग से आईजीडब्ल्यू परियोजना के तहत लघु कृषि मौसम प्रयोगशाला का उद्घाटन नाबार्ड के डीडीएम आर. सिन्हा व जीआईजेड सोया माथुर ने किया। यहां से किसान अब घर बैठे कृषि एवं मौसम, जलवायु की जानकारी लेकर भविष्यवाणी कर सकेंगे। डॉ. सिन्हा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है और जलवायु परिवर्तन भी इसी क्रम का है।

मालों का गुडा में कृषि मौसम प्रयोगशाला का उद्घाटन करत हुए। गींगला

परिवर्तन से कृषि एवं पशुपालन पर होने वाले प्रभावों को सही समय पर सही जानकारी प्राप्त कर समझने एवं समाधान ढूंढने में यह प्रयोगशाला किसानों की मदद करेंगी। संस्था सचिव मोहन डांगी ने प्रयत्न समिति की ओर से किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। एफ्रो के डॉ. दत्ता ने कहा कि पूरे राजस्थान में चार जगहों में से एक मालों का गुड़ा का चयन किया है, जहां लेब की स्थापना की जा रही है। यहां से किसान खेती के लिए उपयोगी रहेंगे। पशुपालन विभाग के डॉ. विजय मानेकर ने विभाग की योजनाओं की जानकारी दी और पशुओं पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की जानकारी दी। नाबार्ड उदयपुर के एजीएम सुकांत साहू ने नाबार्ड की विभिन्न छोटी-छोटी योजनाओं की जानकारी दी, जो किसानों को मदद देती है। आस्था संस्था के आर.डी. व्यास, शशि प्रभा, दीपक शर्मा, अलर्ट संस्था के जितेन्द्र मेहता आदि ने भी संबोधित किया।

सांस्कृतिक दल ने नाटक के माध्यम से जलग्रहण विकास एवं पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। अध्यक्षता पंसस पृथ्वी राज मीणा ने की। अतिथियों का स्वागत शंकर मीणा, नारूलाल मीणा, रामलाल पटेल, भेरा पटेल आदि ने किया। संचालन चन्द्रप्रकाश चौबीसा और धन्यवाद ज्ञापन डूल्हे सिंह सारंगदेवोत ने किया। उद्घाटन पर तकनीशियों ने लेब से मौसम की गतिविधि की जानकारी समझाई। यहां पर वर्षामापी यंत्र भी लगाया गया है। कार्यक्रम में सिंहाड, रावतपुरा, मालों का गुडा सहित आसपास क्षेत्र के कई गांवों से किसान पहुंचे।